भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

जनसंदेश टाइम्स

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

दिनांक : 12.02.2019

विश्व के टॉप 200 में आईआईटी को लाएंगे

ऐसा कर हम महामना को सच्ची श्रद्धांजलि दे सकेंगे

बोले मनोज सिन्हा

शताब्दी समारोह के तहत ग्लोबल अलुमनाई मीट का समापन समारोह

मंत्री मनोज सिन्हा का आईआईटी में किया गया सम्मान

वाराणसी। वर्ष 2015-2016 में विश्वविद्यालयों की वरीयता का एक क्रम जारी हुआ, जिसे क्यूएस विश्वविद्यालय वरीयता कहते हैं। इसमें 200 संस्थान शामिल थे और उसमें जो नाम आए उनमें भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलोर 147 रैंक, आईआईटी दिल्ली 179, इसके अलावा आईआईटी बॉम्बे 202 रैंक पर पाया। हम (आईआईटी बीएचयू) कहीं नहीं थे, मैं समझता हूं कि आज हमें यह संकल्प लेना है कि अगली रैंकिंग की सूची जब जारी हो, तो आईआईटी (बीएचयू) का नाम उसमें निश्चित रूप से रहे। मैं समझता हूं कि ये मालवीय जी के प्रति हमारी श्रद्धांजलि होगी।

यह बातें केंद्रीय रेलवे राज्य मंत्री मनोज सिन्हा ने सोमवार को स्वतंत्रता भवन सभागार में संस्थान के शताब्दी समारोह के अवसर पर आयोजित ग्लोबल एलुमनी मीट के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि कहीं। उन्होंने आगे कहा कि इनोवेशन प्रगति की आधारशिला है। बिना इसके कोई देश, समाज, कोई संस्थान आगे बढ़ नहीं सकता। नए शिक्षण अनुसंधान तथा नवोन्मेषण के अनुकूल माहौल से स्पर्धात्मक लाभ उठाए जा सकते हैं। आज जो स्थिति है देश की सरकार ने पीने पांच वर्षों में शुरूआत करने वालों को सहायता प्रदान करने तथा इंटरप्रेन्योरशिप और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, के अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किये हैं और इसलिये संस्थान के विद्यार्थियों से आग्रह है कि केवल नौकरी खोजने के अवसर तलाशने के बजाय लोगों को रोजगार कैसे मिले, ऐसे उद्यमी ये संस्थान पैदा करें। ये स्वतंत्र राष्ट्र की, आज के समय की आवश्यकता है।

श्री सिन्हा ने बताया कि 2014 में जैसे ही उन्हें शपथ मिली रेलवे का काम देखना शुरू किया तो संस्थान का हित सोचना शुरू किया। 5-जी का ट्रॉयल देश में कई शिक्षण संस्थानों में हो रहा है, कई इंडस्ट्री के लोग आए, जो आईआईटी (बीएचयू) में पहले जाएगा, संस्थान से पार्टनरशिप करेगा, तो सबसे पहले स्पेक्ट्रम उसी को मिलेगा। संस्थान के निदेशक व शिक्षकों से यह निवेदन किया कि कुछ और क्षेत्र हैं जिसमें हमें काम करने की जरूरत है। रिसर्च आउटपुट और बढ़ाने की आवश्यकता है।

इंडस्ट्री के साथ मजबूत पार्टनरशिप ये समय की जरूरत है। इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट और यहां के क्लासरूम, लैब को और आधुनिक करने की जरूरत है। मेरे लिये सौभाग्य होगा अगर कुछ अवसर मिला इसमें कुछ करने का।

एलुमिनाई के साथ हो स्ट्रक्चर्ड मैकेनिज्म उन्होंने अनुरोध किया कि एक स्ट्रक्चर्ड मैकेनिज्म की जरूरत है, एलुमनी के साथ कैसा सहयोग ये संस्थान चाहता है। कई लोग हैं जिनको मैं जानता हूं कि जो योगदान करना चाहते हैं मगर नहीं कर पाते हैं। इस वजह से एक ऐसे मैकेनिज्म की जरूरत है जो निरंतर इस कार्य को देखता रहे। कार्यक्रम की शुरूआत महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण और कुलगीत के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक प्रो.प्रमोद कुमार जैन ने संस्थान में हो रहे इनोवेशन, स्टार्टअप और रिसर्च की जानकारी दी। साथ ही संस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर, छात्र गतिविधि केंद्र और एक आउटरीच केन्द्र की स्थापना हेते फंडिंग की आवश्यकता की बात कही।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आए बीएचयू वीसी प्रो. राकेश भटनागर ने बताया बीएचयू और आईआईटी एक साथ कई डिग्री प्रोग्राम और रिसर्च कार्य करने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने सभी पुरातन छात्रों को भारत कला भवन म्यूजियम देखने का भी आग्रह किया। कहा इस म्यूजियम को और बेहतर बनाने के लिए इंफोसिस ने छह करोड़ रुपए भी दिये हैं।